

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	वैशाख 19, गुरुवार, शाके 1946-मई 09, 2024 <i>Vaisakha 19, Thursday, Saka 1946- May 09, 2024</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, अप्रैल 03, 2024

संख्या प. 2(14)वन/2024 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्व नहीं किये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचाने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेन्ट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तिगत अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती है। तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेख सम्पादित होने तक उक्त वनभूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी। और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष जो संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राज.पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची								
क्र.स.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा विवरण				
					नाम ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल है० में	भूमि किस्म
1	चांवछ	के० पाटन	बून्दी	उत्तर:- राजस्व भूमि ग्राम चांवछ दक्षिण:- राजस्व भूमि ग्राम चांवछ पश्चिम:- राजस्व भूमि ग्राम बनियानी पूर्व:- राजस्व भूमि ग्राम चांवछ	चांवछ	337	4.50 है०	गै० मु० जंगलात
						338	5.50 है०	गै० मु० जंगलात
						392	4.51 है०	गै० मु० जंगलात
						393	4.36 है०	गै० मु० जंगलात
						394	4.71 है०	गै० मु० जंगलात
						395	2.53 है०	गै० मु० जंगलात
						1084/391	1.30 है०	गै० मु० जंगलात
						योग 7 किता	27.41 है०	

दीपक जासू,
क्षेत्रीय वन अधिकारी
के० पाटन

ओमप्रकाश जांगिड,
उप वन संरक्षक
बून्दी

द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखण्ड चावछ
पेडो की सूची

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	Salvadora oleoides	पीलू
2	Prosopis juliflora	विलायती बबूल
3	Capparis spinosa	जाल

दीपक जासू,
क्षेत्रीय वन अधिकारी
के0 पाटन

ओमप्रकाश जांगिड,
उप वन संरक्षक
बून्दी

प्रारंभिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण पत्र
जो लागू नहीं होता है, उसे काट दें

वनखण्ड . चांवछ
रेंज . के० पाटन
वन मण्डल . बून्दी

- 1- संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण गेर मुमकीन जंगलात है, जिसे विज्ञप्ति के कालम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नंबरों का विवरण दर्शाया गया है।
- 2- वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराना है। उक्त क्षेत्र को आरक्षित/रक्षित वन घोषित करने के लिए जिला कलक्टर से सहमति प्राप्त कर ली गई है, जो प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
- 3- वर्तमान में कोई विकास कार्य नहीं करवाये गये हैं। इसमें कोई खनन कार्य नहीं हुये हैं। भविष्य में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
- 4- भूमि पर वृक्षों का अधिकांश घनत्व कुछ क्षेत्रों में 0.4 है तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है।
- 5- समीपवर्ती क्षेत्र राजस्व भूमि है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कालम संख्या 5 में कर दिया गया है।
- 6- वनखण्ड के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्याही से इंगित किया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र को जी०टी० शीट पर चिह्नित किया जाकर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
- 7- प्रस्तावित क्षेत्र की विज्ञप्ति के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्र के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट के प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिससे इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सकें।
- 8- प्रस्तावित भूमि वनखण्ड चांवछ वन संरक्षण अधिनियम के तहत संपर्क सड़क नेत, नीम खेडा संपर्क सड़क एवं लघु सिंचाई परियोजना पगारा के एवज में प्राप्त हुई है।
- 9- उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

दीपक जासू,
क्षेत्रीय वन अधिकारी
के० पाटन

ओमप्रकाश जांगिड,
उप वन संरक्षक
बून्दी

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।